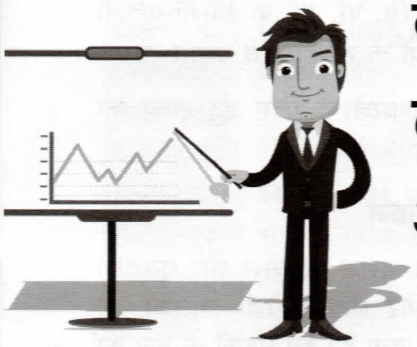

व्यवसायी बनने में लग्न-लग्नेश, दशम-दशमेश और धन योग का महत्व

डॉ. सुशील अग्रवाल
निदेशक डॉ. सुरेश आत्रेय

1. विषय प्रवेश

प्राचीन समय में आजीविका के स्रोत सीमित थे, जिस कारणवश आर्ष ज्योतिषीय साहित्य में व्यवसायी बनने के सूत्रों का अभाव है। आधुनिक काल में यह विषय अत्यधिक महत्वपूर्ण है और ज्योतिषीय अनुभव के आधार पर भाव, भावेशों और योगों के समन्वय से ही कुछ निष्कर्ष निकालने का प्रयास करते हैं।

प्राचीन एवं आधुनिक ज्योतिषीय विद्वानों ने सदैव इस तथ्य का अनुमोदन किया है कि लग्न-लग्नेश और दशम-दशमेश का बली होना जातक को आजीविका सम्बंधित एक मजबूत आधार प्रदान करता है। इस लेख में इन चारों घटकों के साथ धन योग के समन्वय का आकलन किया गया है।

2. साहित्यिक सर्वेक्षण

प्रचलित आर्ष ज्योतिषीय साहित्य में प्रस्तुत लेख सम्बंधित घटकों का निम्न विवरण मिलता है:

2.1 लग्न-लग्नेश

- **बृहत्पाराशरहोराशास्त्रः** शरीर, स्वरूप, वर्ण, बलाबल, सुख, दुःख, स्वभाव।
- **उत्तर कालामृतः** सामूहिक रूप से शरीर, सुख, दुःख, जन्म का स्थान, यश, बल, गौरव, मान, त्वचा, नींद, स्वभाव, गौरव, नम्रता, आकृति, अभिमान, आयु, शान्ति, मर्यादा आदि।
- **जातक तत्त्वमः** शरीर, वर्ण, आकृति, लक्षण, सुख, दुःख, आयुष्य, सन्तति, सम्पदा, गुण-धर्म आदि।
- **जातकाभरणमः** रूप, वर्ण, चिह्न, जाति, सुख-दुःख और साहस।
- **मानसागरीः** रूप, वर्ण, चिह्न, जाति, सुख-दुःख, साहस, आयु, शरीर, निद्रा आदि।
- **जातक पारिजातः** शरीर, रंग, आकृति, शरीर लक्षण, यश, गुण, पद्वी, सुख, दुःख, प्रवास, तेजस्विता, बल, निर्बलता आदि।

लग्न के उपरोक्त कारकत्वों में से इस लेख सम्बंधित कारकत्व हैं। महत्वाकांक्षा, व्यक्तित्व, स्वतंत्र सोच, दूरदर्शिता और आत्मविश्वास। लग्न सम्बंधित फलों को प्राप्त करने के लिए सबल लग्नेश की आवश्यकता होती है, अन्यथा जातक उत्कृष्ट वातावरण तो प्राप्त करता है परन्तु उसे सुख में परिवर्तित नहीं कर पाता।

2.2 दशम-दशमेश

सभी ज्योतिषीय शास्त्रों में दशम भाव को निर्विवाद रूप से कर्म एवं आजीविका का भाव माना गया है। इसके कारकत्व निम्न हैं:

- **बृहत्पाराशरहोराशास्त्रः** राज्य, आकाशवृतान्त, पिता, आदि।
- **उत्तर कालामृतः** वाणिज्य, राज्य मान, नौकरी, व्यवसाय, कृषि, राज्य कार्य, गौरव, दूसरों को काबू करना, अधिकार (मुहर), मान प्राप्ति, यश आदि।
- **जातकतत्त्वमः** व्यापार, धन, राज सम्मान, राज्य, पिता, उच्च पद प्राप्ति, आदि।
- **जातकाभरणमः** व्यापार, मुद्रा, राजा, मान, राज्य, पिता सम्बंधित सब विषय, बड़े पदों की प्राप्ति आदि।
- **मानसागरीः** व्यापार, मुद्रा, राजा से आदर, राज्य सम्बन्धी प्रयोजन, पिता के सुख-दुःख का विचार, विशेष कर्मों में सफलता, उच्च पद प्राप्ति, कार्य सिद्धि आदि।
- **जातक पारिजातः** आज्ञा, मान, आभूषण, उपाधि, वस्त्र, व्यापार, नींद, कृषि, संन्यास, आजीविका, कर्म, जीवन,

यश, विशिष्टता, विद्या आदि।

दशम भाव के उपरोक्त कारकत्वों में से प्रस्तुत लेख सम्बंधित कारकत्व हैं। व्यापार, धन, सम्मान, पद प्राप्ति, कर्मों में सफलता, आजीविका, विशिष्टता आदि।

2.3 धन योग

छोटे से छोटे व्यवसाय में धन की आवश्यकता होती है जबकि नौकरी करने के लिए अपने धन की आवश्यकता नहीं होती चाहे व्यक्ति गूगल का सीईओ हो या भारत का मुख्य सचिव।

निम्न भाव-भावेशों के परस्पर सम्बन्धों से सामान्य धन योग निर्मित होते हैं:

- लग्नेश एवं द्वितीयेश, लग्नेश एवं पंचमेश, लग्नेश एवं नवमेश, लग्नेश एवं एकादशेश, द्वितीयेश एवं पंचमेश, द्वितीयेश एवं नवमेश, द्वितीयेश एवं एकादशेश, पंचमेश एवं नवमेश, पंचमेश एवं एकादशेश, नवमेश एवं एकादशेश, चन्द्र एवं मंगल की युति (किसी भी भाव में), II और XI भावों में शुभ ग्रह स्थित हों अथवा II और XI के स्वामी दो या दो से ज्यादा ग्रहों से संबंध बनाते हों और/या अर्थ त्रिकोण (II, VI, XI) के स्वामी कुंडली के शुभ भावों के स्वामियों के साथ संबंध बनाते हों।
- धन योगों का निर्धारण करने के लिए इंदु लग्न का प्रयोग भी किया जाता है।

3. विषय क्षेत्र एवं सीमांकन

प्रस्तुत लेख में लग्न, लग्नेश, दशम, दशमेश और धनयोग के आधार पर व्यवसायी और नौकरी पेशा जातकों की कुंडलियों का आकलन किया गया है। इन घटकों के बल का आकलन जन्म कुंडली के अतिरिक्त नवांश एवं दशांश से भी किया गया है। इस लेख में सीमित आंकड़ों के अतिरिक्त कुछ अन्य निम्न सीमाएं भी निर्धारित की गयी हैं:

1. दशा एवं गोचर का विश्लेषण
2. भाव बल और ग्रह बल का निर्धारण
3. राजयोग, विपरीत राजयोग, महापुरुष योग, महाभाग्य योग, सूर्य एवं चन्द्र से निर्मित योग आदि
4. चालित कुंडली का आकलन

4. आँकडों का आकलन

व्यवसायियों के सभी आंकड़ों का आकलन जन्म विवरण सहित निम्न सारणी में प्रस्तुत है। अंक 1 सिद्धता दर्शाता है और अंक 0 विफलता :

In Business	Birth Details	Lagna	Lagna Lord	Dashama	Dashama Lord	Dhana Yoga
Case-001	19-Apr-1957, 19:53 Hrs-, Adren Berek, Yeman	1	1	1	1	1
Case-002	13-Dec-1956, 23:30 Hrs-, New Delhi	1	1	1	1	1
Case-003	30-Sep-1974, 02:07 Hrs-, New Delhi	0	1	1	1	1
Case-004	05-Jun-1955, 16:30 Hrs-, New Delhi	1	1	1	1	1
Case-005	07-Jun-1968, 04:02 Hrs-, New Delhi	1	1	0	1	1
Case-006	06-Jun-1959, 22:30 Hrs-, Mumbai, Maharashtra	1	1	0	1	1
Case-007	28-Jun-1955, 20:58 Hrs-, Seattle, USA	1	1	1	1	1
Case-008	24-Feb-1955, 19:55, San Francisco, USA	1	1	1	1	0
Case-009	18-Dec-1955, 08:30 Hrs-, Bantwal, Karnataka	1	1	1	1	0
Case-010	28-Dec-1937, 06:30 Hrs-, Mumbai, Maharashtra	1	1	1	1	1
Case-011	24-Jun-1962, 02:30 Hrs-, Ahmedabad, Gujarat	1	1	1	1	1
Case-012	15-August-1931, 12:00 Hrs-, Bulandshahar, UP	1	1	1	1	1
Case-013	30-Nov-1950, 08:00 Hrs-, Hisar, Haryana	1	1	1	1	1
Case-014	29-Jul-1950, 13:00, New York, USA	1	1	1	1	0
Case-015	01-May-1955, 12:00 Hrs-, Mumbai, Maharashtra	1	1	1	1	0
Case-016	29-Jul-1904, 13:29:39 Hrs-, Paris, France	1	1	1	1	1
Case-017	16-Sep-1954, 11:19 Hrs-, Bhimavaram, AP	1	0	1	1	0

Case-018	28-Jun-1903, 06:30 Hrs-, Pune, Maharashtra	1	0	1	1	1
Case-019	07-Aug-1903, 08:36 Hrs-, Hisar, Haryana	1	0	1	1	1
Case-020	07-Apr-1893, 11:09:23 Hrs-, Chirava, Rajasthan	1	1	1	1	1
Case-021	14-Jun-1967, 08:45 Hrs-, Kolkata, WB	1	1	1	1	1
Case-022	11-Nov-1918, 07:12:30 Hrs-, Pilani, Rajasthan	1	1	1	1	1
Case-023	14-Apr-1894, 03:21:36 Hrs-, Pilani, Rajasthan	1	1	1	1	1
Case-024	10-Jun-1938, 22:20:37 Hrs-, Kolkata, WB	1	1	1	1	1
Case-025	24-Mar-1956, 12:00 Hrs-, Detroit, USA	0	1	1	1	1
		23	**22**	**22**	**25**	**20**

Table 1: Data of Natives in Business

नौकरी पेशा जातकों के सभी आंकड़ों का आकलन जन्म विवरण सहित निम्न सारणी में प्रस्तुत है :

In Jobs	Birth Details	Lagna	Lagna Lord	Dashama	Dashama Lord	Dhana Yoga
Case-026	02-Feb-1963, 06:15 Hrs-, New Delhi	1	0	0	1	1
Case-027	10-Feb-1970, 17:21 Hrs-, New Delhi	0	0	0	1	0
Case-028	15-Feb-1967, 14:14 Hrs-, Pirpainti, Bihar	0	1	1	1	0
Case-029	29-Aug-1969, 20:00 Hrs-, New Delhi	1	0	0	0	0
Case-030	26-Jun-1971, 19:15 Hrs-, New Delhi	0	0	1	0	0
Case-031	15-Dec-1972, 02:10 Hrs-, Lucknow, UP	1	1	0	1	0
Case-032	18-Oct-1955, 20:20 Hrs-, Cuttack, Odisha	0	1	1	0	0
Case-033	09-Mar-1962, 05:20 Hrs-, Kochi, Kerala	1	0	0	1	1
Case-034	01-Apr-1978, 14:50 Hrs-, Samastipur, Bihar	0	0	0	1	0
Case-035	15-Jan-1965, 06:30 Hrs-, Seekar, Rajasthan	1	0	1	1	0
Case-036	09-Oct-1982, 22:55 Hrs-, Korba, Chhattisgarh	1	1	0	0	1
Case-037	08-Apr-1982, 06:10 Hrs-, Lakhi Sarai, Bihar	1	0	0	0	0
Case-039	24-Nov-1954, 23:00 Hrs-, Samastipur, Bihar	0	0	0	1	0
Case-039	27-Sep-1986, 07:00 Hrs-, Patna, Bihar	0	0	1	0	0
Case-040	11-Dec-1988, 13:12 Hrs-, Samastipur, Bihar	0	0	0	0	1
Case-041	13-May-1945, 02:00 Hrs-, Mumbai, Maharashtra	0	0	0	0	0
Case-042	06-May-1947, 23:17 Hrs-, Moradabad, UP	0	0	1	0	1
Case-043	09-12-1971, 21:20 Hrs-, New Delhi	0	0	0	0	1
Case-044	16-Nov-1980, 00:40 Hrs-, New Delhi	0	0	1	0	0
Case-045	07-Jun-1978, 08:40 Hrs-, Amritsar, Punjab	0	1	1	0	0
Case-046	07-Aug-1973, 02:30 Hrs-, New Delhi	0	0	0	0	0
Case-047	09-Oct-1973, 04:30 Hrs-, Palghat, Kerala	0	1	1	0	0
Case-048	13-Oct-1950, 09:40 Hrs-, Ambala, Haryana	1	0	1	0	0
Case-049	21-Jan-1964, 15:50 Hrs-, Allahabad, UP	0	0	1	1	0
Case-050	27-Apr-1953, 10:12 Hrs-, New Delhi	0	0	1	0	0
		8	**6**	**12**	**9**	**6**

Table 1: Data of Natives in Jobs

उपरोक्त दोनों सारणियों के आकलन का परिणाम निम्न रूप से चित्रांकित किया जा सकता है:

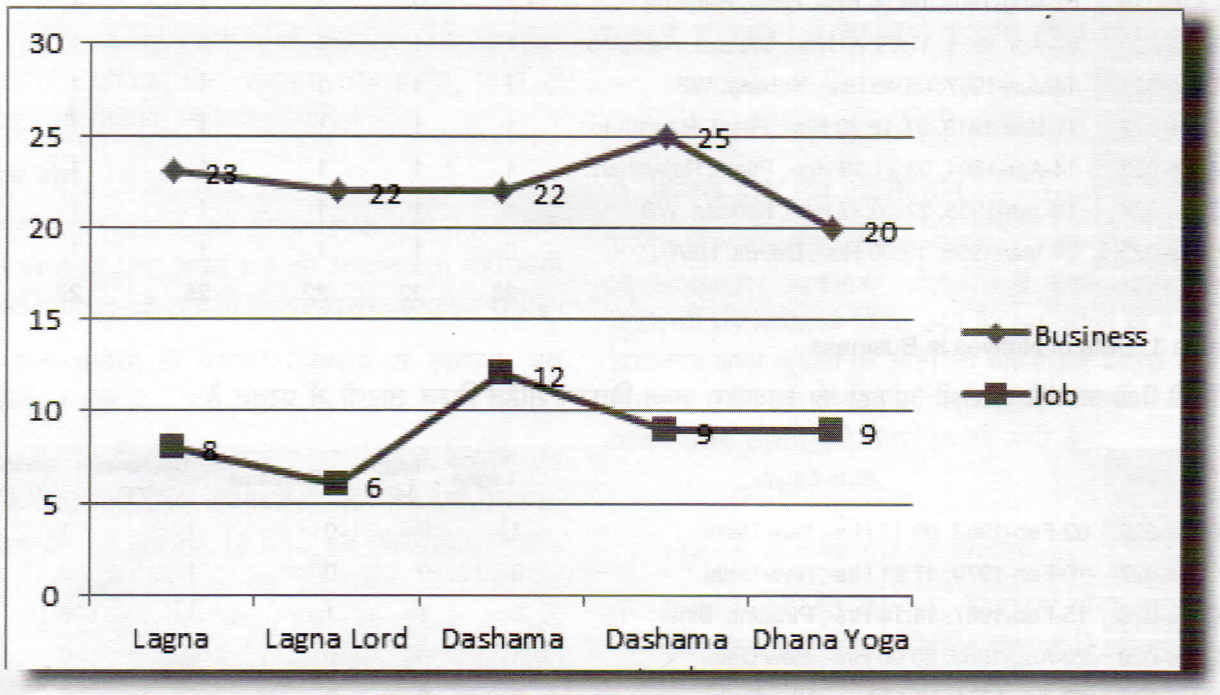

Figure 1: Analysis of Natives in Business and in Jobs

5. निष्कर्ष

1. लग्न, लग्नेश, दशम, दशमेश और धनयोग की उपस्थिति व्यवसायियों की कुंडलियों में स्पष्ट रूप से नौकरी पेशा जातकों की कुंडलियों से बहुत अधिक है परन्तु किसी भी एकल घटक के आधार पर व्यवसायी बनने का सूत्र निर्धारित नहीं किया जा सकता है क्योंकि नौकरी पेशा जातकों की कुंडली में भी वही सूत्र 24%-48% कुंडलियों में लग रहा है।
2. घटकों के परस्पर समन्वय से एक सूत्र प्रतिपादित किया जा सकता है कि लग्न, लग्नेश, दशम, दशमेश में से तीन या अधिक घटक बली होने के साथ-साथ धन योग भी विद्यमान हों तो जातक व्यवसायी हो सकता है :

- 80% व्यवसायियों की कुंडलियों में धन योग हैं और उन सभी में लग्न, लग्नेश, दशम, दशमेश में से कम से कम तीन घटक बली हैं।
- जिन 20% व्यवसायियों की कुंडलियों में धन योग का अभाव है उनकी कुंडलियों में लग्न, लग्नेश, दशम, दशमेश बली हैं और अन्य भावेशों एवं योगों की स्थिति अति उत्तम है। जैसे, Case-008 में पंचमेश एवं दशमेश वर्गोत्तम हैं और नवमेश स्वराशिस्थ हैं, Case-009 में लग्नेश-नवमेश का राशि परिवर्तन, वर्गोत्तम एकादशेश दशमस्थ, और दशमेश लग्नस्थ हैं, Case-014 में लग्नेश नवम में, नवमेश एकादशस्थ होकर योगकारक ग्रह से युत और लग्न लग्नेश नवम पंचमेश गुरु दृष्ट हैं, Case-015 में दशमेश लग्नस्थ, लग्नेश एकादश में उच्च सूर्य से युत और पंचमेश उच्च होकर दशमस्थ हैं, Case-017 में पंचमेश की उच्च होकर लग्न पर दृष्टि, दशमेश दशम में दिग्बली और एकादशेश भी दशम में है।
- 24% नौकरी पेशा जातकों की कुंडलियों में धनयोग तो हैं परन्तु लग्न, लग्नेश, दशम, दशमेश में से 8% कुंडलियों में कोई बली नहीं हैं, 8% कुंडलियों में केवल कोई एक बली है और 8% में से कोई दो बली हैं।

निष्कर्षतः, लग्न, लग्नेश, दशम, दशमेश में से तीन या अधिक घटक बली होने के साथ-साथ धन योग भी विद्यमान हों तो जातक व्यवसायी हो सकता है। ❐

पीएच.डी. प्रक्रिया हेतु आलेख